



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 42-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 18, 2022 (ASVINA 26, 1944 SAKA)

PART II

Notifications of Election Commission of India-Other Notifications and Republications from the Gazette of India

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

दिनांक : 6 सितम्बर, 2022
15 भाद्रपद, 1944 (शक)

आदेश

सं० 76/भा.नि.आ./आदे./हरि०-वि०सं०/29/2019/उ०अनु०-2- यतः, आयोग ने हरियाणा राज्य के 29-राई विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए दिनांक 27.09.2019 की अपनी अधिसूचना के द्वारा विधानसभा के साधारण निर्वाचन आयोजित करने की घोषणा की थी और श्री परमजीत, ने बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पूर्वोक्त निर्वाचन लड़ा था;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77 (1) के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, वह तिथि जब उसे नाम-निर्देशित किया गया है और उसके परिणाम की घोषणा की तिथि, दोनों तारीखें सम्मिलित, के बीच अपने द्वारा या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा उपगत या अधिकृत निर्वाचन संबंधी सभी खर्चों का, या तो स्वयं या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा, एक पृथक और सही लेखा रखेगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से तीस दिनों के भीतर अपने निर्वाचन व्यय का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करेगा जो धारा 77 के अंतर्गत उसके द्वारा अथवा उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा रखे गए लेखों की सत्य प्रतिलिपि होगी;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89(2) के अधीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के पत्र सं० 06(Sonipat)HVSElec.Exp.-2019/2333, दिनांक 04.06.2020 के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनीपत, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा राज्य के 29-राई विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, श्री परमजीत विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनीपत, हरियाणा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप-नियम (5) के तहत निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल न करने पर, श्री परमजीत को कारण बताओ नोटिस दिनांक 23.09.2020 को जारी किया गया था;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप-नियम (6) के अनुसार, दिनांक 23.09.2020 के उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के माध्यम से, श्री परमजीत को निदेश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के भीतर लेख प्रस्तुत न कर पाने का कारण स्पष्ट करते हुए आयोग को लिखित में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें/अपने लेखों में त्रुटियों को सही करें और उसे संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करें;

और यतः, अभ्यर्थी श्री परमजीत द्वारा उक्त नोटिस दिनांक **09.10.2020** को स्वयं उनके द्वारा प्राप्त किया गया था। अभ्यर्थी से प्राप्त पावती **जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनीपत, हरियाणा** द्वारा दिनांक **30.09.2020** के अपने पत्र सं. **Elect.-2020/944** के द्वारा आयोग को प्रस्तुत कर दी गई थी;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनीपत ने दिनांक **03.03.2021** के अपने पत्र सं. **Elec-2021/206** द्वारा सूचित किया कि **श्री परमजीत** ने अनेक विसंगतियों के साथ दिनांक **09.10.2020** को अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा प्रस्तुत किया है। आयोग ने अपने नोटिस सं. **76/भा0नि0आ0/क्षे0/हरि0-वि0.स0./29/2019** दिनांक **17.06.2022** के माध्यम से **श्री परमजीत** को विलंब के लिए कारण/औचित्य देने और उक्त त्रुटियों को सुधारने का अवसर प्रदान किया।

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनीपत (हरियाणा) ने अपने पत्र संख्या **Elec-2022/632**, दिनांक **24.08.2022** के माध्यम से सूचित किया है कि **श्री परमजीत** ने अपने चुनावी खर्च का लेखा समय पर जमा करने में विफल होने का न तो उचित कारण बताया है और न ही खाते में सुधार किया है।

और यतः, भारत निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि **श्री परमजीत** चुनाव खर्च का लेखा-जोखा दर्ज करने में विफल रहे हैं और विफलता के लिए उनके पास कोई उचित कारण या औचित्य नहीं है और खाते में नोट की गई विसंगति को दूर नहीं किया है।

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में यह अनुबंधित किया गया है कि:-

"यदि निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति-

- (क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या कानून के अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा
- (ख) उसके पास उस असफलता के लिए कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा कोई भी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित रहेगा;

अब इसलिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा हरियाणा राज्य के **29-राई विधान सभा** निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के साधारण निर्वाचन-2019 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, **श्री परमजीत, निवासी- गांव-खटकड़, पो0-सेरसा, सोनीपत, हरियाणा** को संसद के किसी भी सदन या राज्य या संघ राज्य-क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद के लिए सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,

एस. बी. जोशी,
प्रधान सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

Dated: 6th September, 2022
15 Bhadrapada, 1944 (Saka)**Order**

No. 76/ECI/ORD/HAR-LA/29/2019/NS-II.— WHEREAS, the Commission had declared to hold the General Election to the Assembly Election of the State of Haryana to **29-Rai Assembly Constituency** vide its Notification, dated **27.09.2019** and **Shri Pramjeet** had contested the aforesaid election as a **Bahujan Samaj Party** candidate;

AND WHEREAS, as per Section 77 (1) of the Representation of the People Act, 1951, every candidate at election shall, either by himself or by his election agent, keep a separate and correct account of all expenditure in connection with the election incurred or authorized by him or by his election agent between (the date on which he has been nominated) and the date of declaration of the result thereof, both dates inclusive & as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election shall, within thirty days from the date of election of the returned candidate lodge with the District Election Officer (DEO) account of his election expenses which shall be in a true copy of the account kept by him or by his election agent under Section 77;

AND WHEREAS, as per the report under rule 89(2) of the Conduct of Election Rules, 1961, received from the **District Election Officer-cum-Deputy Commissioner, Sonipat** (Haryana) through the Chief Electoral Officer's letter No. **06(Sonipat)/HVSElec.Exp-2019/2333**, dated **04.06.2020**, **Shri Pramjeet**, the contesting candidate from **29-Rai Assembly Constituency** of Haryana, failed to lodge any account of his election expenses as required by law;

AND WHEREAS, on the basis of the above reports of the **District Election Officer, Sonipat**, Haryana and the Chief Electoral Officer, Haryana, a Show Cause Notice dated **23.09.2022** was issued by the Election Commission of India under Sub Rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961 to **Shri Pramjeet** for non submission of account of Election expenses;

AND WHEREAS, as per Sub Rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961, through the above said Show Cause Notice dated **23.09.2020**, **Shri Pramjeet** was directed to submit his representation in writing in the Commission explaining the reason for non submission of accounts and also to lodge his accounts of election expenses/rectify the defects in his accounts before the District Election Officer concerned within 20 days from the date of receipt of the notice;

AND WHEREAS, the said notice was received by **Shri Pramjeet** on **09.10.2020**. Acknowledgement receipt obtained from the candidate have been submitted to the Commission by **District Election officer, Sonipat** vide letter No. **Elec-2020/944**, dated **30.09.2020**.

AND WHEREAS, the **District Election Officer, Sonipat** vide letter No. **Elec-2021/206**, dated **03.03.2021** informed that Sh. **Pramjeet** has submitted his account of election expenses on **09.10.2020** with a number of discrepancies. The Commission vide its letter No. **76/मानिआं/क्षे/हरि-विंस/29/2019**, dated **17.06.2022** provided an opportunity to **Shri Pramjeet** to give reasons/justification for the delay and to rectify the said defects.

AND WHEREAS, District Election Officer, Sonipat (Haryana) vide letter No. **Elec-2022/632**, dated **24.08.2022** has informed that **Shri Pramjeet** has neither provided good reason or justification for his failure is submission of his accounts of election expenditure in time nor rectified the account.

AND WHEREAS, the Commission has satisfied that **Shri Pramjeet** has failed to lodge an account of election expenses and has no good reason or justification for the delay and has not rectified the discrepancies noted in the account.

AND WHEREAS, Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951 stipulates that:-

“If the Election Commission is satisfied that a person-

- (a) Has failed to lodge an account of election expenses within the time and in the manner required by law or under this Act; **and**
- (b) Has no good reason or justification for the failure the Election Commission shall by order published in the official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from date of the under;

NOW THEREFORE, in pursuance of Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares **Shri Pramjeet, resident of Village-Khatkar, PO-Sersa, Sonipat, Haryana** the contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of Haryana- 2019 from **29-Rai Assembly Constituency**, of the state of Haryana to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,

S. B. JOSHI,
Principal Secretary,
Election Commission of India.



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 42-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 18, 2022 (ASVINA 26, 1944 SAKA)

PART II

Notifications of Election Commission of India-Other Notifications and Republications from the Gazette of India

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

दिनांक : 6 सितम्बर, 2022
15 भाद्रपद, 1944 (शक)

आदेश

सं 76/भा०नि०आ०/आदे०/हरि०-वि०स०/67/2019/उ०अनु०-2.- यतः, आयोग ने हरियाणा राज्य के 67-बेरी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए दिनांक 27.09.2019 की अपनी अधिसूचना के द्वारा विधानसभा के साधारण निर्वाचन आयोजित करने की घोषणा की थी और श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र, ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पूर्वोक्त निर्वाचन लड़ा था;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77 (1) के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, वह तिथि जब उसे नाम-निर्देशित किया गया है और उसके परिणाम की घोषणा की तिथि, दोनों तारीखें सम्मिलित, के बीच अपने द्वारा या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा उपगत या अधिकृत निर्वाचन संबंधी सभी खर्चों का, या तो स्वयं या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा, एक पृथक और सही लेखा रखेगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से तीस दिनों के भीतर अपने निर्वाचन व्यय का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करेगा जो धारा 77 के अंतर्गत उसके द्वारा अथवा उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा रखे गए लेखे की सत्य प्रतिलिपि होगी;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89(2) के अधीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के पत्र सं. 06(Jhajjar)HVSElec.Exp.-2019/819, दिनांक 03.02.2020 के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा राज्य के 67-बेरी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर हरियाणा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (5) के तहत निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल न करने पर, श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र को कारण बताओ नोटिस दिनांक 06.03.2020 को जारी किया गया था;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (6) के अनुसार, दिनांक 06.03.2020 के उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के माध्यम से, श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र को निदेश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के भीतर लेखे प्रस्तुत न कर पाने का कारण स्पष्ट करते हुए आयोग को लिखित में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें/अपने लेखे में त्रुटियों को सही करें और उसे संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करें;

और यतः, अभ्यर्थी श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र को आयोग द्वारा जारी नोटिस दिनांक 06.03.2020 को स्वयं उनके द्वारा प्राप्त किया गया था। अभ्यर्थी से प्राप्त पावती जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर हरियाणा द्वारा दिनांक 02.07.2020 के अपने पत्र सं. निर्वाचन-2020/368 के द्वारा आयोग को प्रस्तुत कर दी गई थी;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर ने दिनांक 22.02.2021 के अपने पत्र सं. निर्वाचन-2021/136 द्वारा सूचित किया कि श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र ने अनेक विसंगतियों के साथ दिनांक 14.08.2020 को अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा प्रस्तुत किया है। आयोग ने अपने नोटिस सं. 76/भा0नि0आ0/हरि0-वि0.स0./67/2019 दिनांक 17.06.2022 के माध्यम से श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र को विलंब के लिए कारण/औचित्य देने और उक्त त्रुटियों को सुधारने का अवसर प्रदान किया।

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर (हरियाणा) ने अपने पत्र संख्या निर्वाचन-2022/399, दिनांक 04.08.2022 के माध्यम से सूचित किया है कि श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र ने अपने चुनावी खर्च का लेखा समय पर जमा करने में विफल होने का न तो उचित कारण बताया है और न ही खाते में सुधार किया है।

और यतः, भारत निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र चुनाव खर्च का लेखा-लोखा दर्ज करने में विफल रहे हैं और विफलता के लिए उनके पास कोई उचित कारण या औचित्य नहीं है और खाते में नोट की गई विसंगति को दूर नहीं किया है।

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में यह अनुबंधित किया गया है कि:-

"यदि निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति-

- (क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या कानून के अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा
- (ख) उसके पास उस असफलता के लिए कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा कोई भी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित रहेगा;

अब इसलिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा हरियाणा राज्य के 67-बेरी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के साधारण निर्वाचन-2019 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, श्री देवेन्द्र धरतीपुत्र, मकान नं०.-405, गाँव-नाथपुर, जिला-सोनीपत, हरियाणा को संसद के किसी भी सदन या राज्य या संघ राज्य-क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद के लिए सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,

एस. बी. जोशी,
प्रधान सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

SECRETARIAT OF THE ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

Dated: 6th September, 2022

15 Bhadrapada, 1944 (Saka)

Order

No.76/ECI/ORD/HAR-LA/67/2019/NS-II.— WHEREAS, the Commission had declared to hold the General Election to the Assembly Election of the State of Haryana to **67-Beri Assembly Constituency** vide its Notification, dated **27.09.2019** and **Shri Devender Dhartiuttar** had contested the aforesaid election as an **Independent** candidate;

AND WHEREAS, as per Section 77 (1) of the Representation of the People Act, 1951, every candidate at election shall, either by himself or by his election agent, keep a separate and correct account of all expenditure in connection with the election incurred or authorized by him or by his election agent between (the date on which he has been nominated) and the date of declaration of the result thereof, both dates inclusive & as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election shall, within thirty days from the date of election of the returned candidate lodge with the District Election Officer (DEO) account of his election expenses which shall be in a true copy of the account kept by him or by his election agent under Section 77;

AND WHEREAS, as per the report under rule 89(2) of the Conduct of Election Rules, 1961, received from the **District Election Officer-cum-Deputy Commission, Jhajjar** (Haryana) through the Chief Electoral Officer's letter No. **06(Jhajjar)/HVS/Elec.Exp-2019/819**, dated **03.02.2020**, **Shri Devender Dhartiuttar**, the contesting candidate from **67-Beri Assembly Constituency** of Haryana, failed to lodge any account of his election expenses as required by law;

AND WHEREAS, on the basis of the reports of the **District Election Officer, Jhajjar**, Haryana and the Chief Electoral Officer, Haryana, a Show Cause notice dated **06.03.2020** was issued by the Election Commission of India under Sub Rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961 to **Shri Devender Dhartiuttar** for non submission of account of Election expenses;

AND WHEREAS, as per Sub Rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961, through the above said Show Cause Notice dated **06.03.2020**, **Shri Devender Dhartiuttar** was directed to submit his representation in writing in the Commission explaining the reason for non submission of accounts and also to lodge his accounts of election expenses/rectify the defects in his accounts before the District Election Officer concerned within 20 days from the date of receipt of the notice;

AND WHEREAS, the said notice was received by **Shri Devender Dhartiuttar** on **06.03.2022**. Acknowledgement receipt obtained from the candidate have been submitted to the Commission by **District Election officer, Jhajjar** vide his letter No. **निर्वाचन-2020/368**, dated **02.07.2020**.

AND WHEREAS, the **District Election Officer, Jhajjar** vide its letter No. **निर्वाचन-2021/136**, dated **22.02.2021** informed that **Shri Devender Dhartiuttar** has submitted his account of election expenses on **14.08.2020** with a number of discrepancies. The Commission vide its letter No. **76/भा०नि०आ०/हरि०-वि०.स०/67/2019** dated **17.06.2022** provided an opportunity to **Shri Devender Dhartiuttar** to give reasons/justification for the delay and to rectify the said defects.

AND WHEREAS, District Election Officer, Jhajjar (Haryana) vide its letter No. **निर्वाचन -2022/399**, dated **04.08.2022** has informed that **Shri Devender Dhartiuttar** has neither provided good reason or justification for his failure in submission of his accounts of election expenditure in time nor rectified the account.

AND WHEREAS, the Commission has satisfied that **Shri Devender Dhartiuttar** has failed to lodge an account of election expenses in this and has no good reason or justification for the failure and has not removed the discrepancy noted in the account.

AND WHEREAS, Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951 stipulates that:-

“If the Election Commission is satisfied that a person-

- (a) Has failed to lodge an account of election expenses within the time and in the manner required by law or under this Act; **and**
- (b) Has no good reason or justification for the failure the Election Commission shall by order published in the official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from date of the under;

NOW THEREFORE, in pursuance of Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares **Shri Devender Dhartiuttar, resident of H. No. 405, Village-Nathupur, Distt.-Sonipat, Haryana** the contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of Haryana- 2019 from **67-Beri Assembly Constituency**, of the state of Haryana to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,

S. B. JOSHI,
Principal Secretary,
Election Commission of India.